हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 344 : जौनपुर, शुक्रवार 15 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

घमंडिया गठबंधन की नीति सनातन परंपरा को समाप्त करने की : मोदी

एजेन्सी

सागर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के सागर जिले के बीना में पेट्रोकेमिकल परिसर सहित अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास किया और इन परियोजनाओं को राज्य की तस्वीर बदलने वाला भी बताया। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि उनकी नीति सनातन परंपरा को समाप्त कर देश को गुलामी के रास्ते पर ले जाने की है। पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित जी–20 की बैठक की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस सफलता से देश के हर नागरिक ने गर्व महसूस किया है। इस आयोजन का श्रेय मोदी

को नहीं बल्कि पूरे देश की 140 करोड़ जनता को है। यह सामूहिक प्रयास का परिणाम है। हम दुनिया के देशों को जोड़ने में समर्थ हैं और भारत विश्व मित्र के रूप में सामने आ रहा है। मगर कुछ लोग हैं जो देश और समाज को विभाजित करने में जुटे हुए हैं। पीएम ने कहा, उन्होंने इंडिया एलाइंस बनाया है। कुछ लोग इसे घमंड़िया गठबंधन भी कहते हैं। इनका नेता तय नहीं है। नेतृत्व को लेकर भ्रम है। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों की मुंबई में हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने हिडन एजेंडा बनाया है और जो नीति बनाई है वह भारत की संस्कृति पर हमला करने की है। भारतीयों की आत्मा पर हमला करने की है। विवेकानंद हो, देवी अहिल्याबाई हो, झांसी की रानी हो या महात्मा गांधी। गांधी ने सनातन धर्म का जीवनपर्यंत पालन किया और उसके चलते ही देश को जोड़े रखा। उस परंपरा को यह घमंडिया गठबंधन के लोग खत्म करना चाहते हैं, उस ताने–बाने को तबाह करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से एकजुट होने का आग्रह करते हुए कहा कि अभी इन्होंने खुलकर हमले बोलना शुरू किया है, यह और आगे बढ़ाने वाले हैं इसलिए देश के कोने–कोने के सनातनियों को देश के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। वे लोग सनातन को तबाह कर देश को एक हजार साल की गुलामी की ओर धकेलना चाहते हैं। हमें मिलकर ऐसी ताकतों को रोकना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बीना मेंआयोजित समारोह में पेट्रोकेमिकल परिसर के अलावा प्रदेश की कई अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, वीरेंद्र खटीक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

बीजेपी का तेजी से बढ़ रहा जनाधार, 2024 में फिर से मोदी सरकार

एजेन्सी

अमरोहा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज दावा किया कि देश में भाजपा का जनाधार तेजी से बढ़ रहा है, 2024 में नरेन्द्र मोदी की फिर से सरकार बनने जा रही है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में बृहस्पतिवार को दिल्ली–लखनऊ नेशनल हाईवे–09 पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा का फूल–मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान संक्षिप्त मुलाकात में कर्नाटक में पत्रकार के खिलाफ कार्रवाई को लेकर कहा कि अपने आप को आई.एन.डी.आई.ए. इंडिया बताने वाले लोग ब्रिटिश शासन के दौर जैसा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह ईस्ट इंडिया कंपनी बनाकर प्रतिशोध स्वरूप जनता की आवाज दबाने का काम उस दौर में किया गया था आज फिर से वही दोहराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन द्वारा आई.एन.डी.आई.ए. को इंडिया बताकर जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिशें जारी हैं जबकि जनता अब इनके किसी झांसे में आने वाली नहीं है।

विपक्षी एलांयस के एक सहयोगी सनातन धर्म को समाप्त करने का एलान करता है तो वहीं दूसरी ओर मीडिया के बायकॉट की धमकी दी जा रही है।यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। कर्नाटक सरकार के मंत्री द्वारा बंगलूरू के शेषाद्रिपुरम थाने में पत्रकार सुधीर चौधरी के सवाल पर एफआईआर दर्ज कराए जाने की कड़ी निंदा करते हुए भाजपा नेता राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह ब्रिटिश काल की याद दिलाता है। हम सुधीर चौधरी के साथ खड़े हैं। विपक्ष द्वारा प्रतिशोध में पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई और उत्पीड़न की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला किया जा रहा है। अमरोहा लोकसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के सांसद कुंवर दानिश अली द्वारा कश्मीर की घटना और जी–20 के समापन पर उत्सव मनाए जाने को लेकर किए गए ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नेता ने सांसद को नासमझ बताया। उन्होंने आगे कहा कि अगर यह पढ़े– लिखे होते तो जी –20 का महत्व और अहमियत समझते होते और उत्तर प्रदेश में पार्टी की लुटिया डुबोने का काम नहीं करते।

निपाह वायरस से घबराने की जरूरत नहीं, सावधानी बरतें- संक्रमण से 9 साल के बच्चे की हालत गंभीर

एजेन्सी

तिरुवनन्तपुरम केरल सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोगों को को झिकोड जिले में फैले निपाह वायरस संक्रमण से घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, लेकिन अपनी दिनचर्या में उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने वायरस को फैलने से रोकने और संक्रमितों के उपचार को लेकर 11 सितंबर की रात से सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का विवरण दिया। उत्तर केरल जिले में निपाह वायरस से दो लोगों की मौत होने का संदेह है। उन्होंने विधानसभा में दिए एक बयान में कहा, घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। हम सब साथ मिलकर सावधानी से इस समस्या का सामना कर सकते हैं। दिमाग को नुकसान पहुंचाने वाले इस वायरस से कोझिकोड जिले में दो लोगों की मौत हुई है और तीन अन्य संक्रमित हैं। बुधवार को 24 वर्षीय स्वास्थ्य कर्मी के निपाह वायरस से संक्रमित होने के बाद केरल में इस बीमारी का पांचवां मामला सामने आया था। तीनों संक्रमित व्यक्तियों का इलाज किया जा रहा है, जिसमें से एक नौ साल के बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। सरकार ने आईसीएमआर को मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का ऑर्डर दिया है। निपाह वायरस के लिए यही एकमात्र एंटी–वायरल उपचार है हालांकि इसे अभी नैदानिक मंजूरी नहीं मिली है। लने वाले 54 वर्षीय लवली इससे पहले दिसंबर 2013 से फरवरी 2015 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। लवली को कांग्रेस नेतृत्व ने ऐसे समय दिल्ली प्रदेश की कमान सौंपी है जब पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस को दिल्ली में हुए पिछले दो विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं मिली। अध्यक्ष के तौर पर लवली के सामने सबसे बड़ी चुनौती दिल्ली में कांग्रेस के खोये जनाधार को वापस हासिल करने की होगी। इसके साथ ही उनके सामने एक और चुनौती लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल की गुंजाइश बनाए रखने की भी होगी।

अमृत वाटिकाओं के संरक्षण के लिए उन पर रखी जाय विशेष नजर

एजेन्सी

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वृक्षारोपण के दौरान लगायें गये पौधों , खासकर अमृत वाटिकाओं में लगायें गये पौधों पर विशेष रूप से नजर रखें,उनकी सिंचाई, बैरीकेडिंग, मिट्टी को उपजाऊ बनाने, खरपतवार हटाने की व्यवस्था अनवरत रूप से बनाये रखी जाय।वृक्षारोपण के पश्चात रोपित पौधों की जीवन्तता सुनिश्चित करने के ठोस व प्रभावी उपाय किये जांय। पौधों को लगाने से कहीं ज्यादा उन्हें बचाना आवश्यक है, ।कहा है कि पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार लगातार प्रयत्नशील है। परमार्थ का भाव रखते हुए वृक्षारोपण व पौधों की जीवन्तता बनाये रखने में समाज का प्रत्येक व्यक्ति सहयोग करे।आने वाली पीढ़ियों के लिए वृक्ष लगाने व बचाने का प्रयास हम सब लोगों को करना है।

मुख्यमंत्री ने एनएसजी यूपी पुलिस के संयुक्त अभ्यास 'गांडीव का अवलोकन किया

एजेन्सी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त अभ्यास 'गांडीव–5 कार्यक्रम का अवलोकन किया। आधिकारिक बयान के मुताबिक इस दौरान मुख्यमंत्री ने एनएसजी द्वारा वार्षिक अभ्यास के पांचवें संस्करण में विभिन्न 'सर्जिकल ऑपरेशन की तैयारियों को भी देखा। 'गांडीव–5 अभ्यास कार्यक्रम का उद्देश्य आतंकवादी हमले, किसी विमान के अपहरण या बंधक बनाए जाने स्थिति में कमांडो बल के योजना मापदंडों को मान्य करना है। आधिकारिक बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था की दिशा में उल्लेखनीय काम करते हुए प्रदेश में आतंकी घटनाओं को लेकर भी सजग है। इस तरह की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए समय–समय पर मुख्यमंत्री के

निर्देश पर सुरक्षाबल 'मॉक ड्रिल करते रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को भी उप्र पुलिस और एनएसजी की टीम ने इस तरह की घटनाओं पर अपनी तैयारियों को और पुख्ता करने के लिए संयुक्त अभ्यास 'गांडीव–5 को अंजाम दिया। आपको बता दें कि अभ्यास के दौरान जहां पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री ने तैयारियों को देखा, वहीं लोकभवन में राज्य प्रशासन, उप्र पुलिस की विभिन्न इकाइयों और एनएसजी द्वारा संयुक्त रूप से आतंकवाद रोधी अभ्यास के तहत 'मॉक ड्रिल की गई। आतंकवादी और अपहरण के खतरों को बेअसर करने के मकसद से 1984 में सर्जिकल कमांडो ऑपरेशन करने के लिए एनएसजी को एक संघीय आतंकवाद–रोधी बल के रूप में स्थापित किया गया था। इसके पास एक विशेष दस्ता भी है जो वर्तमान में उच्च जोखिम वाले अतिविशिष्ट लोगों (वीवीआईपी) को सशस्त्र सुरक्षा कवर प्रदान करता है।

विपक्षी गठबंधन के 14 एंकर्स के बहिष्कार पर बोली भाजपा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। देश के विभिन्न टीवी चौनल्स के 14 एंकर्स के कार्यक्रम का बहिष्कार करने के मामले में अब कांग्रेस और भाजपा आमने–सामने आ गई है। विपक्षी गठबंधन ने इन एंकर्स के नाम की लिस्ट जारी कर इनके कार्यक्रम का बहिष्कार का ऐलान किया।

तो, भाजपा ने आरोप लगाया है कि विपक्ष इन एंकर्स से उनके सामने रेंगने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन इन्होंने झुकने तक से इनकार कर दिया, इसलिए विपक्ष ने यह लिस्ट जारी की है।

दरअसल, विपक्षी दलों के आईएनडीआईए गठबंधन ने मीडिया को लेकर एक बड़ा फैसला करते हुए देश के विभिन्न टीवी चौनल्स के 14 एंकर्स के कार्यक्रम का बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है। गठबंधन ने एंकर्स की लिस्ट जारी कर सार्वजानिक घोषणा की है कि आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल कोई भी राजनीतिक दल इन एंकर्स के कार्यक्रम में अपने प्रतिनिधियों अर्थात प्रवक्ताओं या नेताओं को नहीं भेजेगा। विपक्षी गठबंधन द्वारा जारी लिस्ट में अदिति त्यागी, अमन चोपड़ा, अमिश देवगन, आनंद नरसिम्हन, अर्नब गोस्वामी, अशोक श्रीवास्तव, चित्रा त्रिपाठी, गौरव सांवत, नाविका कुमार, प्राची पराशर, रुबिका लियाकत, शिव अरुर, सुधीर चौधरी और सुशांत सिन्हा जैसे बड़े एंकर्स के नाम हैं। विपक्षी गठबंधन के इस फैसले की तीखी आलोचना करते हुए भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने आरोप लगाया है कि विपक्ष इन एंकर्स से उनके सामने रेंगने की उम्मीद कर रहा था। लेकिन, इन्होंने झुकने तक से इनकार कर दिया, इसलिए विपक्ष ने यह लिस्ट जारी की है। मालवीय ने 14 एंकर्स की लिस्ट को शेयर करते हुए एक्स कर कहा, आई.एन.डी.आई. अलायंस ने उन पत्रकारों की एक सूची जारी की है, जिन्होंने झुकने से भी इनकार कर दिया, जबकि विपक्ष को उनसे रेंगने की उम्मीद थी।

मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने खत्म की भूख हड़ताल, सीएम शिंदे ने खुद पिलाया जूस

एजेन्सी

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मुलाकात करने के बाद मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बृहस्पतिवार को भूख हड़ताल खत्म कर दी। वह मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर 17 दिन से भूख हड़ताल पर थे। मुख्यमंत्री शिंदे ने जरांगे से मुलाकात करके मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने का आश्वासन किया, जिसके बाद उन्होंने भूख हड़ताल खत्म कर दी। शिंदे पूर्वाह्न लगभग पौने 11 बजे अपने कुछ मंत्रियों के साथ जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव पहुंचे और जरांगे से मुलाकात की। जरांगे मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर गांव में भूख हड़ताल पर बैठे थे। जरांगे ने पूर्वाह्न लगभग 11 बजकर 15 मिनट पर मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया एक गिलास जूस पीकर अपना अनशन खत्म किया। वह मराठा समुदाय को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण देने की मांग को लेकर 29 अगस्त से भूख हड़ताल पर थे। जरांगे की भूख हड़ताल के दौरान एक सितंबर को अंतरवाली सरती गांव में एकत्र लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था, जिसे लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उनकी सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र सरकार आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार इसके पक्ष में है और समुदाय को आरक्षण देकर रहेगी और यह काम अन्य समुदायों से बिना किसी टकराव के किया जाएगा। मनोज जरांगे की लड़ाई किसी व्यक्तिगत मांग के लिए नहीं है और इसीलिए इसे समुदाय से इतना समर्थन मिला। उन्होंने कहा पहले सरकार ने समुदाय को आरक्षण दिया था, लेकिन यह उच्चतम न्यायालय में टिक नहीं पाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार मराठा समुदाय को वे सभी लाभ देने पर काम कर रही है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय को प्रदान किए गए हैं।

सनातन धर्म को लेकर भाजपा ने सोनिया गांधी पर साधा निशाना

नयी दिल्ली भाजपा ने सनातन धर्म को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान को लेकर कांग्रेस और गांधी परिवार पर अपना हमला तेज कर दिया है। भाजपा ने सोनिया गांधी के इटालियन मूल का मुद्दा उठाते हुए कटाक्ष किया है कि उन्हें सनातन धर्म समझ ही नहीं आता है इसलिए जब सनातन धर्म की रक्षा की बात आती है तो वह ट्रांसलेशन के फेर में उलझ जाती हैं। भाजपा ने अपने आधिकारिक एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट से सोनिया गांधी की एक तस्वीर शेयर करते हुए सनातन धर्म के बचाव के मामले में उन्हें सरदर्द होने और सनातन धर्म क्या है, यह अनुवाद कर इटालियन भाषा में बताने का कटाक्ष करते हुए लिखा, जब सनातन धर्म की रक्षा की बात आती है।

विपक्षी गठबंधन में इमरजेंसी की मानसिकता जिंदा, अपनी हरकतों से बाज आएं वर्ना...नड्डा ने साधा निशाना

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस यानि इंडिया पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसके घटक सिर्फ दो चीजें कर रहे हैं, जिनमें 'सनातन संस्कृति को कोसना और मीडिया को 'धमकी देना शामिल हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, ''इन दलों में आपातकाल के दौर की मानसिकता जिंदा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी कहा, इंडिया गठबंधन को अपनी हरकतों से तुरंत बाज आना चाहिए। उन्हें इसके बजाय रचनात्मक कार्य और लोगों की सेवा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। नड्डा की यह टिप्पणी कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी गठबंधन की समन्वय समिति ने मीडिया से संबंधित

कार्य समूह को उन एंकरों के नाम तय करने के लिए अधिकृत किया है, जिनके शो पर विपक्षी गठबंधन का कोई भी सदस्य अपने प्रतिनिधियों को नहीं भेजेगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के इतिहास में मीडिया को धमकी देने और अलग–अलग विचारों वाले लोगों को चुप कराने के कई उदाहरण हैं। इस क्रम में उन्होंने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "पंडित नेहरू ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया और उनकी आलोचना करने वालों को गिरफ्तार किया। इंदिरा जी तो इस मामले में स्वर्ण पदक विजेता बनी हुई हैं। उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका, प्रतिबद्ध नौकरशाही का आह्वान किया और भयावह आपातकाल लगाया। राजीव जी ने मीडिया को राज्य के नियंत्रण में लाने की कोशिश की लेकिन बुरी तरह विफल रहे। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार सोशल मीडिया हैंडल पर सिर्फ इसलिए प्रतिबंध लगा रही थी क्योंकि कांग्रेस को उनके विचार पसंद नहीं थे।

कृषकों को आगामी सप्ताह हेतु मौसम आधारित कृषि परामर्श जारी

एजेन्सी

लखनऊ। क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2023–24 की बारहवीं बैठक डा. संजीव कुमार, उप महानिदेशक कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में 14 सितम्बर को उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद में सम्पन्न हुई। प्रदेश में मौसम के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किसानों को अगले सप्ताह कृषि प्रबन्धन के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये गये। आगामी सप्ताह 14 से 20 सितम्बर के दौरान मुख्यतया प्रदेश के दक्षिणी भागों बुंदेलखण्ड एवं विन्ध्य क्षेत्र एवं संलग्न मध्यवर्ती इलाकों में अनेक स्थानों पर मेघगर्जन एवं वज्रपात के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है, जबकि प्रदेश के उत्तरी तराई इलाकों में छिटपुट बारिश होने की सम्भावना है। 15 सितम्बर के दौरान बुंदेलखण्ड क्षेत्र में कहीं–कहीं भारी वर्षा होने की भी संभावना है।द्वितीय सप्ताह 21 से 27 सितम्बर के दौरान मुख्यतया प्रदेश के दक्षिणी एवं मध्यवर्ती भागों में कई स्थानों पर मेघगर्जन एवं वज्रपात के साथ सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, जबकि प्रदेश के उत्तरी तराई इलाकों में सामान्य से कम वर्षा होने की सम्भावना है। बुंदेलखण्ड एवं विंध्य क्षेत्र में मध्यम से भारी वर्षा के पूर्वानुमान के दृष्टिगत खेतों से जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।मानसून ऋतु में वर्षा एवं वज्रपात आकाशीय विद्युत से बचाव हेतु दिन–प्रतिदिन के मौसम पूर्वानुमान का विशेष ध्यान रखा जाय तथा तदनुसार बचाव के उचित उपाय किये जाय।

लाइटर मांगने पर भड़क गया युवक, दोस्तों के साथ मिलकर सेना के कर्नल को पीटा, दिल्ली पुलिस ने किया अरेस्ट

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में तीन लोगों ने सेना के 48 वर्षीय कर्नल से मारपीट की और उनका सामान लूट लिया। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित ने आरोपियों में से एक से लाइटर मांगा जिसके बाद उन्होंने गाली देना शुरू कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि चाणक्यपुरी के निवासी शिकायतकर्ता विनीत महतो ने बुधवार को मालवीय नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह मंगलवार को एक सेमिनार में भाग लेने के बाद अपने दोस्त के साथ कार में मालवीय नगर के त्रिवेणी कॉम्प्लेक्स गए थे।पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) चंदन चौधरी ने बताया कि शिकायतकर्ता रात करीब 11.30 बजे त्रिवेणी कॉम्प्लेक्स पहुंचे और वहां खड़े एक व्यक्ति से लाइटर मांगा। चौधरी ने बताया कि इस पर वह व्यक्ति शिकायतकर्ता से गाली–गलौज करने लगा। डीसीपी ने कहा कि इसी दौरान आरोपी ने दो और लोगों को बुलाया और उन लोगों ने महतो के साथ मारपीट की। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित की कार से उनका मोबाइल फोन और अन्य सामान निकाल लिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता को चक्कर आ गया और बाद में पता चला कि उनकी कार से उनके दो मोबाइल फोन, क्रेडिट कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और 10,000 रुपये नकद गायब थे। डीसीपी ने कहा कि मालवीय नगर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 394 (लूटपाट के दौरान जानबूझकर चोट पहुंचाना), 411 (बेईमानी से चोरी की संपत्ति प्राप्त करना) और 34 (समान मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया।

सम्पादकीय

कुदरत का कहर

अभी मोरक्को में आये भयंकर भूकंप से मरने वालों की गिनती पूरी हुई भी नहीं थी कि लीबिया में प्रलंयकारी बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा दस हजार पार होने की आशंका है। हालांकि, जितने लोग तूफान व सुनामी जैसी घटना की चपेट में आए हैं, उसे देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा बहुत बढ़ सकता है। दरअसल, लीबिया में डैनियर तूफान व तेज बारिश के बाद बांध टूटने से तबाही का ऐसा भयावह मंजर सामने आया कि देरना शहर के बड़े हिस्से को बाढ़ समुद्र की तरफ बहा ले गयी। चारों तरफ लाशों का अंबार है, समुद्र में लाशें तैर रही हैं। सामूहिक रूप से लाशों को दफनाया जाना बाढ़ की विनाशकारी स्थिति को बयां कर रहा है। विडंबना यह है कि कर्नल गद्दाफी की हत्या के बाद लीबिया दो शासनों के अधीन है। एक ओर त्रिपोली में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार ढाई हजार से अधिक लोगों के मरने की बात कह रही है तो प्रभावित देरना समेत पश्चिम इलाके पर नियंत्रण रखने वाला प्रशासन साढ़े पांच हजार से अधिक शव बरामद होने की बात कह रहा है। अभी भी दस हजार लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस बाढ़ से करीब चौंतीस हजार लोग विस्थापित हुए हैं। बाढ़ अपने पीछे तबाही के रूप में मलबे के पहाड़, क्षतिग्रस्त घर व वाहन तथा टूटी सड़कें छोड़ गई है। चारों तरफ शव ही नजर आ रहे हैं। जिन्हें सामूहिक रूप से दफनाया जा रहा है और खुदाई के लिये मशीनों का सहारा लिया जा रहा है। ऐसे में मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। विडंबना यह है कि राजनीतिक अस्थिरता का असर राहत कार्यों में पड़ रहा है। विद्रोही सरकारों के चलते देश विभाजित स्थिति में है। आशंका है कि अतिवृष्टि से पहले देरना से बारह किमी दूर स्थित एक बांध टूटा और फिर इसके मलबे के दबाव से शहर के निकट स्थित दूसरा बांध भी टूट गया। बहरहाल, इन बांधों के टूटने से आई सुनामी जैसी बाढ़ ने एक लाख की आबादी वाले देरना शहर में तबाही का मंजर भयावह बना दिया। मोहल्ले के मोहल्ले बाढ़ में बह गये। दरअसल, आंतरिक अस्थिरता व संघर्ष से जूझते देश में इस संकट को और बढ़ा दिया है। कभी उपजाऊ घाटी की पहचान रखने वाला देरना आज भूतहा शहर बन गया है। भूमध्य सागर स्थित इस शहर के बीच गुजरती मौसमी नदी इस तबाही का कारण बनी है। जो शहर के ज्यादातर हिस्से को बहा ले गयी। जो बांध इस शहर को बाढ़ से बचाने के लिये बने थे,वे ही बड़ी तबाही की वजह बन गये। इंसान की विडंबना है कि वह प्रकृति से मिलने वाले संकेतों को लगातार नजरअंदाज करता है। लीबिया की एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी के जल विज्ञानी ने पिछले साल अपने शोध पत्र में चेतावनी दी थी कि बरसाती नदी में बाढ़ का आना इस शहर के लिये खतरनाक है। उन्होंने व्यापक अध्ययन के आधार पर बांधों के निरंतर रखरखाव के लिये तुरंत कदम उठाने की बात कही थी। लेकिन उस पर अमल नहीं किया गया। ये नदी व बांध ही तबाही के सबब बने। वहीं दूसरी ओर मोरक्को विनाशकारी भूकंप की तबाही झेल रहा है। एटलस पहाड़ पर 6.8 तीव्रता के भूकंप ने कई गांव के गांव तबाह कर दिये हैं। आपदा ग्रस्त पहाड़ी इलाकों में राहत व बचाव कार्यों में भारी बाधा आ रही है। दरअसल, भूकंप से ज्यादा हमारा घटिया निर्माण जान–माल को क्षति पहुंचाता है। मोरक्को में यही हुआ। दरअसल, गरीबी के चलते लोग सस्ती व स्थानीय सामग्री से मकान बना लेते हैं। जो बड़े भूकंप में ताश के पत्तों की तरह बिखर जाते हैं। इसी तीव्रता के भूकंप में जहां विकसित देशों में बेहतर निर्माण सामग्री व अच्छे डिजाइनों के चलते गिनती के लोग मरते हैं, वहीं गरीब व विकासशील देशों में यह गिनती हजारों तक जा पहुंचती है। वहीं आपदा राहत का कमजोर तंत्र मौतों की संख्या में इजाफा कर देता है। इसी साल तुर्किये में आये भूकंप में भी पचास हजार से अधिक लोग मारे गये थे। हमें कुदरत की इन चेतावनियों को समझकर प्रकृति से सामंजस्य स्थापित करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :–आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

अपराधियों से मुक्त संसद दूर की कौड़ी

स्वस्थ लोकतंत्र का आधार साफ–सुथरे चरित्र के जनप्रतिनिधि होते हैं। प्राचीन काल से अब तक यह मान्यता है कि जो भी व्यक्ति ऊंचे ओहदे पर बैठा हो, उसका चरित्र और व्यवहार बेदाग हो। आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों से न तो कानूनों के निर्माण में ईमानदारी बरतने की उम्मीद की जा सकती है और न ही उसके क्रियान्वयन की। अगर वे देश की सबसे ऊंची पंचायत यानी संसद में बैठे हों जहां से देश की तमाम गतिविधियों का संचालन होता हो, तो उनके निर्मल व उज्ज्वल चरित्र की अपेक्षा सर्वाधिक होना अपेक्षित ही है। किसी भी देश की परिस्थितियों का निर्धारण संसद में जनता की नुमाइंदगी करने वालों के चरित्र से होता है। देश व समाज को दिशा देने वाले तथा उसकी नियति तय करने वाले ही अगर भ्रष्ट हों तो, हत्यारे हों, अपहरणकर्ता हों तो वे कैसा समाज बनायेंगे, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। भारत की मौजूदा दुर्दशा के अनेक कारण गिनाये जा सकते हैं लेकिन उनमें से एक प्रमुख कारण यह है कि हमारी संसद अपराधी तत्वों से भरी पड़ी है। दुनिया के विकसित एवं लोकतांत्रिक तौर पर परिपक्वराष्ट्रों की संसदों में चरित्रवान और कुशाग्र लोगों को भेजने की होड़ होती है। अपवाद स्वरूप कुछ लोग हो सकते हैं जो आपराधिक रिकार्ड के साथ संसद में जा बैठते

होंगे, परन्तु भारतीय संसद में उनका जैसा बड़ा जमावड़ा है वह देश के लिये बहुत घातक है। कानून तोड़ने वाले और लोकतंत्र एक साथ नहीं चल सकते। जिस बड़े पैमाने पर अपराधी चुनकर संसद में बैठते हैं, अगर जनता की वही पसंद है तो कहा जा सकता है कि ऐसी जनता अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी मार रही है और उसे खुद के या अपनी भावी पीढ़ियों के लिये अच्छे भविष्य की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) की ताजा रिपोर्ट जो संकेत दे रही है, उससे ऐसी चिंता होनी स्वाभाविक है। यह रिपोर्ट लोकसभा व राज्यसभा की 776 सीटों में से 763 मौजूदा सांसदों के हलफनामों का अध्ययन कर तैयार की गई है जिनमें उन्होंने अपनी जानकारी चुनावी प्रपत्र के साथ प्रस्तुत की थी। लोकसभा की चार एवं राज्यसभा की एक सीट खाली है तथा जम्मू–कश्मीर की सीटों की स्थिति अभी साफ नहीं है। इसलिये इन सीटों के सांसदों का अध्ययन इस रिपोर्ट में शामिल नहीं है। जो जानकारी इन सांसदों ने दी है, उसके मुताबिक मौजूदा 763 सांसदों में से 306 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें भी 194 के विरूद्ध प्रकरण गम्भीर किस्म के हैं जो हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध आदि से सम्बन्धित हैं। आपराधिक प्रवृत्ति के नेताओं का साम्राज्य एक तरह से देश भर में फैला हुआ है जिसके लिये राज्य और पार्टियों की कोई सीमाएं नहीं हैं। गम्भीर किस्म के आपराधिक रिकार्ड वाले सांसद अनेक राज्यों और ज्यादातर दलों के है। यानी हमाम में सारे नंगे हैं। पार्टीवार आपराधिक रिकार्ड के सांसद इस प्रकार हैं– भारतीय जनता पार्टी के 385 में 139 (36 प्रतिशत), कांग्रेस 81 में 43 (53 प्रश), तृणमूल कांग्रेस के 36 में 14 (39 प्रश), राष्ट्रीय जनता दल के 6 में 5 (83 प्रश), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 8 में 6 (75 प्रश), आम आदमी पार्टी के 11 में 3 (27 प्रश), वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 31 में 13 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 8 में 3 (36 प्रश)। यह किसी भी देश के लिये शुभ संकेत नहीं है। संसद को अपराधियों की शरण स्थली न बनाने के लाख दावों के बावजूद प्रमुख दल इसका पालन करते नहीं दिखते। एडीआर की ही पहले की एक रिपोर्ट में बतलाया गया था कि अपराधियों को राजनैतिक दल इसलिये टिकट देते हैं क्योंकि उनके जीतने की सम्भावना का प्रतिशत काफी अधिक होता है। फिर, यह ट्रेंड संसद तक ही सीमित नहीं है। राज्य स्तर पर विधानसभाओं और स्थानीय निकायों तक यही सिलसिला है जो ग्राम पंचायतों तक बदस्तूर कायम है। राजनीति में सारे हथकण्डों को जायज मान लेने का फैशन इस परम्परा को सघन कर रहा है। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के पास बाहुबल और धनबल का अभाव न होने से पार्टियां टिकट देने के मामले में उन्हें तरजीह देती हैं। इससे पार्टी नेतृत्व का काम हल्का हो जाता है। ऐसे उम्मीदवारों को मदद देने के मामले में संगठन चिंतामुक्त हो जाते हैं। वे जानते हैं कि ऐसे लोग अपना इंतजाम स्वयं कर लेंगे। अनेक मायनों में ये बुरे वक्त के संकेत हैं। लोकतंत्र के लिये बड़ा आवश्यक है कि प्रतिनिधि सभाएं अपराधियों से पूर्णतरू मुक्त हों ताकि वे जनहित में साफ–सुथरे व निष्पक्ष निर्णय लें। आपराधिक तत्वों का संसद या विधायिका में बैठने का मतलब होता है कि वे अपने गिरोहों और गैरकानूनी कामों के लिए संरक्षण प्राप्त करते हैं। निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी ताकत बेइंतिहा बढ़ जाती है।

केन्द्र की हो या राज्य की सरकार, जिला प्रशासन हो या पुलिस प्रशासन– सारे उसके रूआब तले दबे रहते हैं।

इसके कारण उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। या तो उनके विरूद्ध मामले वर्षों लम्बित रहते हैं या फैसला उनके पक्ष में होता है। हाल के वर्षों में कई ऐसे प्रकरण सामने आये हैं जिनमें कोई बलात्कार के आरोप से बेदाग छूटता है तो किसी में रिश्तेदार हत्या करके भी जेल जाने से बच जाते हैं। कभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वे ऐसी न्याय व्यवस्था चाहते हैं जिसमें इन सदनों में बैठे लोगों के आपराधिक प्रकरणों का निपटारा थोड़े दिनों में अनिवार्य रूप से हो सके। ऐसा तो नहीं हुआ, उलटे आपराधिक रिकार्डधारी जनप्रतिनिधि कहीं अधिक दिख रहे हैं।

राजद्रोह कानून की वैधता

सर्वोच्च न्यायालय ने राजद्रोह कानून की वैधता के बारे में विचार करने हेतु इस मसले को पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ को सौंपने का फैसला करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि इस बारे में केन्द्र सरकार जो भारतीय दंड संहिता के स्थान पर 'भारतीय न्याय संहिता' बनाने का प्रस्ताव कर रही उससे राजद्रोह की धारा में दायर विभिन्न मुकद्दमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि केन्द्र ने इस कानून के तहत नये मुकद्दमे दर्ज न करने का पिछले साल न्यायालय को जो आश्वासन या हलफ दिया था उससे इस कानून की संवैधानिकता पर कोई असर नहीं पड़ता है क्योंकि 61 साल पहले 1962 में सर्वोच्च न्यायालय की एक पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ही इसे संवैधानिक या वैध करार दे चुकी है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए राजद्रोह के मामलों पर लागू होती है। भारत के स्वतन्त्र होने के बाद से ही यह मांग सभी क्षेत्रों से उठती रही है कि अंग्रेजों के बनाये इस कानून को समाप्त किया जाना चाहिए।

लोकतान्त्रिक प्रणाली में सत्ता के विरुद्ध आख्यान करना विपक्षी दलों का धर्म होता है और तर्कपूर्ण आलोचना के माध्यम से ही इस व्यवस्था में सरकारें बदली जाती हैं क्योंकि जनता का बहुमत जिस पक्ष के साथ होता है वही सरकार पर काबिज हो जाता है। राजद्रोह कानून को स्वयं ब्रिटेन ने भी बहुत पहले ही समाप्त कर दिया था। अतः न्यायालय ने आदेश दिया है कि 124ए को चुनौती देने वाली जितनी भी याचिकाएं दायर हुई हैं वे सभी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड के समक्ष पेश की जायें जिससे वे उन सबको नई गठित की जाने वाली पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ को प्रेषित कर सकें। वर्तमान में इस विषय पर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चन्द्रचूड के नेतृत्व में विचार कर रही तीन सदस्यीय पीठ ने केन्द्र सरकार की इस दलील को खारिज कर दिया कि इस मामले पर आगे सुनवाई को तब तक टाल दिया जाये जब तक कि सरकार भारतीय न्याय संहिता विधेयक को संसद में पेश करने के बारे में अन्तिम निर्णय करती है। फिलहाल यह विधेयक संसद की स्थायी समिति के पास विचार के लिए भेजा गया है। केन्द्र सरकार पुरानी भारतीय

दंड संहिता को नई भारतीय न्याय संहिता से बदलना चाहती है। इस पर न्यायमूर्तियों का कहना था कि न्याय संहिता फौजदारी कानूनों का ही विधान होगी जिन्हें पिछली तारीखों से लागू नहीं किया जा सकता है। नई संहिता अपनाये जाने के दिन के आगे से ही लागू होगी अतः पुराने मुकद्दमों का फैसला चालू राजद्रोह कानून के तहत ही किया जायेगा इसलिए यह जरूरी है कि धारा 124ए की संवैधानिकता के बारे में अंतिम फैसला किया जाये। क्योंकि 1962 में केदारनाथ सिंह बनाम बिहार सरकार मुकद्दमे में इस धारा को संवैधानिक करार दिया गया था। अतः इस सम्बन्ध में दायर नई याचिकाओं का निपटारा जरूरी हो जाता है। 1962 में पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने ही फैसला दिया था अतः नई याचिकाओं पर निर्णय देने के लिए भी कम से कम पांच सदस्यीय पीठ का होना जरूरी है। फिलहाल पीठ केवल तीन सदस्यीय है। केन्द्र सरकार की तरफ से इसके अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी इस बात पर जोर दे रहे थे कि केन्द्र सरकार भारतीय न्याय संहिता सम्बन्धी विधेयक संसद की स्थायी समिति को विचारार्थ भेज चुकी है। अतः न्यायालय को इस बारे में संसदीय प्रक्रिया पूरी होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। इस पर याचिकाकर्ताओं के वकील श्री कपिल सिब्बल ने तर्क रखा कि मामले धारा 124ए के अन्तर्गत अदालतों में विचाराधीन हैं अतः इसका पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ को भेजा जाना बहुत जरूरी है। जहां तक नई दंड संहिता भारतीय न्याय संहिता का सवाल है तो इसमें तो प्रावधान और भी अधिक सख्त और निरंकुशता वाले हैं। मगर वेंकटरमणी का कहना था कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय धारा 124ए के पिछले सभी मुकद्दमों को स्थगित कर चुका है फिर यह भी संभावना है कि संसद की स्थायी समिति ऐसे मुकद्दमों के बारे में भी अपनी राय रखे। इससे यही लगता है कि केन्द्र सरकार नये फौजदारी कानूनों को लागू करने की जल्दी में हो सकती है मगर सब कुछ संसद की स्थायी समिति पर निर्भर करेगा।

यह भी सत्य है कि स्थायी समिति को देश के फौजदारी कानून के विशेषज्ञों की राय भी मांगनी पड़ेगी और आम जनता के सुझाव भी मांगे जायेंगे। मगर नई न्याय संहिता को जल्दबाजी में लागू करना भी खतरे से खाली नहीं होगा क्योंकि इसके लिए सबसे पहले फौजदारी वकीलों को ही बिल्कुल नये सिरे से तैयार होना होगा और मैजिस्ट्रेट से लेकर जजों तक को भी। अभी तो उनके सामने पुराने मुकद्दमों की नजीर रहती है जिससे उन्हें न्याय करने में आसानी रहती है। नई दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के बारे में वकीलों और कानूनी जानकारों की बहुत ही अलग राय भी सुनने को मिल रही है। इस बारे में पूरे देश में आम सहमति बनाये जाने की आवश्यकता होगी। मगर धारा 124ए का जहां तक सम्बन्ध है तो सर्वोच्च न्यायालय इसकी संवैधानिकता की जांच करने को पूरी तरह उचित मानता है।

भारत-यूरोप कॉरिडोर

दिल्ली में सम्पन्न हुए जी–20 सम्मेलन ने दुनिया में भारत की भागीदारी के कई द्वार खोल दिए। सम्मेलन में इंडिया–मीडिल ईस्ट, यूरोप, इकोनॉमिक कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई। भारत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय यूनियन सहित कुल आठ देशों ने इस पर अपनी सहमति जताई है। यह कॉरिडोर मुम्बई से शुरू होगा और यह 6000 किलोमीटर लम्बा होगा तथा इसमें 3500 किलोमीटर समुद्री मार्ग शामिल है। भारत और अमेरिका इस संबंध में पहले भारत प्रशांत क्षेत्र में काम कर रहे थे लेकिन पहली बार दो मिडिल ईस्ट देश इस प्रोजैक्ट में भागीदार बने हैं। कॉरिडोर बनाने का विचार बेहतर है। अगर कॉरिडोर बन जाता है तो भारत से यूरोप तक सामान पहुंचाने में करीब 40 प्रतिशत समय की बचत होगी। अभी भारत से किसी भी कार्गो को शिपिंग से जर्मनी पहुंचने में 36 दिन लगते हैं। इस रूट से 14 दिन की बचत होगी। यूरोप तक सीधी पहुंच से भारत के लिए आयात–निर्यात आसान और सस्ता होगा। इतिहास में कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो अपने अस्तित्व और महत्व के कारण ख्याति अर्जित कर लेती हैं। इनमें से एक है सिल्क रूट या रेशम मार्ग। सिल्क रूट एशिया, यूरोप और अफ्रीका को जोड़ने वाले प्राचीन व्यापार मार्गों का एक नेटवर्क था। सिल्क रूट के जरिये ही प्राचीन रोमन काल में चीन पश्चिमी देशों के साथ व्यापार करता था और इसी मार्ग के जरिये पहली बार रेशम यूरोप पहुंचा था। व्यापार की अहमियत प्राचीन काल में भी थी और आज के दौर में भी हऐसा कहा जाता है कि जो क्षेत्र वर्तमान में केरल है, उसका तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व से अन्य प्राचीन सभ्यताओं के साथ व्यापारिक संबंध रहा है। इनमें प्रमुख रूप से अरब, रोमन जो मिस्र से व्यापार करते थे, यूनानी और यहां तक कि चीनी भी शामिल थे। मालाबार बंदरगाहों से आने वाली वस्तुएं केवल मसालों तक ही सीमित नहीं थीं । हाथी दांत, मोती, सागौन और शीशम कुछ अन्य उत्पाद थे जिनका व्यापार किया जाता था। चंदन एक और अच्छा व्यापार था। लेखक आर. बोसवर्थ स्मिथ ने अपनी पुस्तक रोम एंड कार्थेज, द प्यूनिक वॉर्स में विचार व्यक्त किया है कि मालाबार तटों से प्राप्त चंदन का उपयोग कार्थेज शहर के द्वार बनाने के लिए किया गया था। बेबीलोन के राजा नबूकदनाजर का छठी शताब्दी ईसा पूर्व का महल और मुघिएर का चंद्रमा मंदिर दो ऐसे स्थान थे जहां यह दावा किया जाता है कि मालाबार सागोन का उपयोग किया गया था। ऐसे शोधकर्ता भी हैं जो बाइबिल के राजा सोलोमन को भारत के पश्चिमी तट, विशेषकर मालाबार के साथ व्यापक व्यापार से जोड़ते हैं। ध्यान दें कि यहां मालाबार उस क्षेत्र से अधिक दर्शाता है जिसे हम अभी जानते हैं। मालाबार शब्द अधिकतर यात्रियों द्वारा केरल को सूचित करने के लिए प्रयोग किया जाता था। अब भारत–यूरोप कॉरिडोर बनाने के समझौते को जी–20 के नेता ऐतिहासिक बता रहे हैं। इस परियोजना के तहत मध्य पूर्व में स्थित देशों को एक रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जिसके बाद उन्हें भारत से एक शिपिंग रूट के माध्यम से जोड़ा जाएगा। इसके बाद इस नेटवर्क को यूरोप से जोड़ा जाएगा। यह परियोजना वैश्विक व्यापार के लिए एक नया शिपिंग रूट उपलब्ध करा सकता है क्योंकि फिलहाल भारत या इसके आसपास मौजूद देशों से निकलने वाला माल स्वेज नहर से होते हुए भूमध्य सागर पहुंचता है। इसके बाद वह यूरोपीय देशों तक पहुंचता है। इसके साथ ही अमेरिकी महाद्वीप में स्थित देशों तक जाने वाला माल भूमध्य सागर से होते हुए अटलांटिक महासागर में प्रवेश करता है जिसके बाद वह अमेरिका, कनाडा या लैटिन अमेरिकी देशों तक पहुंचता है। यूरोशिया ग्रुप के दक्षिण एशिया विशेषज्ञ प्रमीत पाल चौधरी कहते हैं, "फिलहाल, मुंबई से जो कंटेनर यूरोप के लिए निकलते हैं, वे स्वेज नहर से होते हुए यूरोप पहुंचते हैं। भविष्य में ये कंटेनर दुबई से इस्राइल में स्थित हाइफा बंदरगाह तक ट्रेन से जा सकते हैं। इसके बाद काफी समय और पैसा बचाते हुए यूरोप पहुंच सकते हैं। इस नए मार्ग से भारत को मध्य एशिया से जमीनी सम्पर्क की सबसे बड़ी बाधा पाकिस्तान का तोड़ मिल गया है। नए कॉरिडोर को चीन की बेल्ट एंड रोड प्रोजैक्ट का जवाब माना जा रहा है। चीन कई वर्षों से छोटे–छोटे देशों को कर्जजाल में फंसा कर बी एंड आर परियोजना पर काम कर रहा है लेकिन अभी तक उसे सफलता नहीं मिली। भारत पहले ही चीन को मुंहतोड़ जवाब देने के घ्लिए मसाला रूट पर काम कर रहा था। इस मसाला रूट के चलते भारत, इस्राइल, दुबई और अबुधाबी से सहयोग बढ़ा रहा था। इसी मसाला मार्ग के जरिये भारत के केरल के मसाले ओमान के मस्कट तक जाते थे। भारत–यूरोप कॉरिडोर का मकसद किसी एक देश या सरकार का प्रभाव दुनिया भर में फैलाना नहीं है, जैसा कि चीन कर रहा है। भारत– यूरोप कॉरिडोर अभी एक स्वप्न है, घ्विचार है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जिस दिन यह रूट तैयार हो गया तो भारत के व्यापार पर सकारात्मक असर होगा और यह परियोजना भारत के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

पूरी हो आवश्यक सुधारों की प्रतीक्षा

यह अच्छा है कि औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को बदले जाने वाले प्रस्तावित तीन विधेयकों–भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रारूपों पर गृह मामलों की संसदीय समिति ने विचारदृविमर्श शुरू कर दिया है। वैसे तो इन विधेयकों पर पहले भी विचार हो चुका है, लेकिन यह भी आवश्यक था कि इन पर विभिन्न दलों के सांसद भी चिंतन–मनन करें ताकि आम सहमति कायम हो सके और वे आसानी से पारित होकर कानून बन सकें। आशा की जाती है कि संबंधित संसदीय समिति में शामिल सांसद दलगत हितों से ऊपर उठकर इन विधेयकों पर विचार करेंगे। यह अपेक्षा इसलिए, क्योंकि कुछ दल यह बेजा सवाल उठा चुके हैं कि इन विधेयकों का नाम हिंदी में क्यों है? इस प्रश्न का इसलिए कोई मूल्य–महत्व नहीं, क्योंकि इनका नाम भले ही हिंदी में हो, लेकिन उन्हें अंग्रेजी में ही तैयार किया गया है–ठीक वैसे ही जैसे अन्य विधेयक तैयार किए जाते हैं। यह सही है कि अंग्रेजों के बनाए कानूनों में समय–समय पर संशोधन हुए, लेकिन वे अभी भी औपनिवेशिक छाप लिए हुए हैं। इन कानूनों का जोर दंड देने पर अधिक था और न्याय देने पर कम। ये कानून लैंगिक समानता के अनुरूप भी नहीं हैं। कई मामलों में यह देखने में आया है कि यदि कोई अपराध पुरुष करे तो वह दंड का भागीदार होता है, लेकिन वही अपराध महिला करे तो नहीं। प्रस्तावित आपराधिक कानूनों का एक उद्देश्य लोगों को समय पर न्याय उपलब्ध कराना भी है, लेकिन जब तक न्यायालयों की कार्यप्रणाली नहीं बदलती तब तक इस लक्ष्य को प्राप्त कर पाना कठिन है। निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय मुकदमों के बोझ से दबे हैं। उच्च न्यायालयों के साथ उच्चतम न्यायालय में भी बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट में ऐसे लंबित मामलों की संख्या 24 हजार से अधिक है, जो पांच वर्ष से लंबित हैं। दस वर्ष से लंबित मामलों की संख्या आठ हजार से अधिक है। 204 मामले ऐसे हैं, जो 20 वर्ष से लंबित हैं। इसका अर्थ है कि सुप्रीम कोर्ट भी समय पर न्याय नहीं दे पा रहा है। उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 60 लाख से अधिक है और निचली अदालतों में लंबित मामले चार करोड़ के आंकड़े को पार कर गए हैं। निःसंदेह इसका एक कारण न्यायाधीशों की कमी है, लेकिन यदि तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम रहता है और न्यायाधीशों की संख्या बढ़ भी जाती है तो भी बात बनने वाली नहीं। स्पष्ट है कि समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए न्यायिक तंत्र में भी सुधार अनिवार्य हो चुके हैं। यह विचित्र है कि हर क्षेत्र में सुधार हो रहे हैं, लेकिन न्यायिक क्षेत्र में सुधारों पर केवल चर्चा करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। अदालतों में लंबित करोड़ों मामले केवल लोगों को हताश–निराश ही नहीं करते, वे देश की प्रगति में बाधक भी बनते हैं, क्योंकि करोड़ों लोगों के संसाधन और समय अदालतों के चक्कर लगाने में जाया होता है। इसके अलावा समय पर न्याय न मिलने से विकास के कई काम अटके पड़े रहते हैं। साफ है कि सरकार को न्यायिक क्षेत्र में भी सुधार के लिए सक्रिय होना ही होगा। उसे ऐसी ही सक्रियता पुलिस एवं प्रशासनिक सुधारों के मामले में भी दिखानी होगी। पुलिस सुधारों पर सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशानिर्देश 2006 में दिए थे, उन पर सही तरह अमल अब तक नहीं हो पाया है।

विश्वेश्वरैया की झलक देखना चाहती हूं पीयू के विद्यार्थियों में प्रो. वंदना सिंह

विश्वेश्वरैया जी के अप्रतिम योगदान को नहीं भुलाया जा सकता: प्रो. बीबी तिवारी

अनुमान पर नहीं, तथ्य के आधार पर चलती हैं इंजीनियरिंग: कुलसचिव

इंजीनियरिंग संस्थान में मनाया गया इंजीनियर्स डे समारोह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में इंजीनियर्स डे समारोह का शुक्रवार को आयोजन किया गया। कुलपति समेत संस्थान के शिक्षकों ने विश्वेश्वरैया जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर क्विज और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज में शैलेंद्र प्रताप सिंह और पोस्टर में वात्सल्य प्रथम स्थान पर रहे। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने इंजीनियर्स डे पर बधाई देते हुए कहा कि एम. विश्वेश्वरैया देश के जाने माने अभियंता थे। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विशेष योगदान दिया था। मैं अपने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में विश्वेश्वरैया की झलक देखना चाहती हूं। मेरी यही कामना है कि यहां के छात्र देश–विदेश में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। संस्थान के संकायाध्यक्ष प्रो. बीबी तिवारी ने कहा कि विश्वेश्वरैया जी विश्वस्तरीय इंजीनियर थे। आजादी के पहले भी उन्होंने देश के लिए बहुत काम किया। वे हैदराबाद शहर के बाढ़ सुरक्षा प्रणाली के मुख्य डिजाइनर थे और मुख्य अभियंता के तौर पर मैसोर के कृष्ण सागर बाँध के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके अप्रतिम योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा की जिंदगी भी इंजीनियरिंग का एक पार्ट है क्योंकि इंजीनियरिंग फैक्ट पर चलता है अगर इसे अनुमान पर चलाने की कोशिश करेंगे तो आशातीत सफलता नहीं मिलेगी। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ और प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार पाने वाले छात्रों को कुलपति ने पुरस्कृत भी किया। क्विज में शैलेंद्र प्रताप सिंह प्रथम, अनुराग प्रिया द्वितीय और आदित्य पांडेय तृतीय स्थान पर रहें। इसी तरह पोस्टर प्रतियोगिता में वात्सल्य प्रथम, आकांक्षा सिंह द्वितीय और काजल यादव तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर संचालन प्रो रजनीश भास्कर ने और धन्यवाद प्रो संदीप सिंह ने किया।

समारोह में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो रवि कुमार, प्रो. नुपुर तिवारी, डॉ. राजकुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ विक्रांत भटेजा, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. द्विवेन्दु मिश्र, कृष्णा सिंह, डॉ. दीपक कुमार सिंह, सत्यम उपाध्याय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह और महामंत्री रमेश यादव, रामजी सिंह, श्यामजी त्रिपाठी उपस्थित थे।

उद्यम दिवस बिजनेस क्लब कान्क्लेव का हुआ आयोजन

अर्थव्यवस्था को थ्री ट्रिलियन तक ले जाने की दिशा में एक सूक्ष्म प्रयास: अजय तिवारी

बीडीओ ने कार्यालय परिसर में बेरोजगार युवाओं को किया सम्बोधित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

खागा/फतेहपुर।–' उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को थिरी ट्रिलियन तक ले जाने की दिशा मे एक सूक्ष्म प्रयास को लेकर आज दिनांक 14 सितंबर को धाता विकासखंडधिकारी अजय कुमार तिवारी द्वारा ब्लॉक परिसर में क्षेत्र के सैकड़ो बेरोजगार नौजवानों के साथ बैठक कर इस मोहिम का आगाज करते हुए नए–नए रोजगार को लेकर अनेक जानकारियां साजा की तथा बिजनेस क्लब कान्क्लेब की राह पर भिन्न भिन्न प्रकार की उपलब्धियां गिनाई।

धाता ब्लॉक परिसर में इखट्टा हुए तमाम नौजवानों को संबोधित करते हुए खण्ड विकासधिकारी अजय कुमार तिवारी ने कहा की नौजवान ही देश की एक ऐसी कड़ी है जो देश की अर्थव्यवस्था में अपना अहम योगदान दे सकते है। रोजगार छोटा व बड़ा नहीं होता है बस उसके लिए आप हिम्मत से डटे रहे फिर देखो वो दिन दूर नहीं जब आपके पीछे लोगों की लाईन होंगी। इसी कड़ी में खण्ड विकासधिकारी ने देश के कई जानिमानी उद्योगपति हस्तियों की जिंदगी से जुडी मुख्य धाराओं पर प्रकाश डालते हुए बताया की इनका भी दौर इसी तरह गुजरा है बशर्ते यह हिम्मत नहीं छोड़े अपने रोजगार को आगे बढ़ाते रहे। और आज दुनियां इनको सलाम करती है। चाहे धीनू भाई अंबानी के दो पुत्र जिसमे अनिल अंबानी व मुकेश अंबानी तथा टाटा विरला से लगाकर अनेक उद्योगपतियों की यही कहानी है। इसी तरह आप सभी अपने रोजगार पर फोक्स करें एक दिन आप सभी बड़े मुकाम तक जरूर पहुंचेगे।

इस अवसर पर धाता विकास खण्डधिकारी अजय कुमार तिवारी, अंकित कुमार पंचायत सहायक,रमेश चन्द्र दुबे (कोटेदार) बउवा ठाकुर,व पत्रकार राममणि पाण्डेय, मोरू कलीम, जमाल अय्यूब कोटी, कुमुद तिवारी,अभिषेक दुर्वेदी, साथ ही शैलेंद्र सिंह, मुकेश पटेल, गुरु प्रसाद, मोहम्मद वकार यूनुस, शिवकुमार सिंह, रमेश कुमार, नाथन सिंह, चंद्रभान सिंह, प्रमोद कुमार, रामसूरत सिंह, एवं अजय तिवारी,व क्षेत्रीय गणमान्य उपस्थित रहे।

दिमाग ही नहीं दिल की सुने तभी अपने लक्ष्य तक पहुंचेगा युवा -आईएएस अभिषेक सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के सौदागर हाल में अन्तर्राष्ट्रीय लोकतांत्रिक दिवस के अवसर पर देश के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर एक सेमिनार आयोजित हुआ इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्षता एमएलसी विद्यासागर सोनकर ने की एवंम मुख्य अतिथि आईएएस अभिषेक सिंह रहे

आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन बुके एवंम पुष्प देकर प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने किया।इस अवसर पर प्राचार्य

डॉ अब्दुल कादिर खान ने कहा कि युवाओं से ही देश की प्रगति संभव है आज हमारे देश में लोकतांत्रिक मजबूती युवाओं की ही बदौलत है देश के निर्माण में युवाओं ने हर क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाई है एवंम निडरता के साथ कार्य करने के लिए तत्पर रहते हैं इसका साक्ष्य हमारे बीच इस कार्यक्रम में आईएएस अभिषेक सिंह आज मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के हाल में मौजूद हैं।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि देश के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका होती है सबसे पहले हमें अपने दिमाग के साथ–साथ दिल की भी सुननी होगी यूपी,बिहार के हर युवाओं के पास यह हिम्मत ताकत एवम जज्बा है कि वह दुनिया के हर कोने में जाकर अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित कर सकते है अगर हमारे अंदर किसी लक्ष्य को पाने का जुनून होगा तो उसमें कभी असफलता नहीं मिल सकती है।

कार्यक्रम अध्यक्ष विद्यासागर सोनकर ने अपने संबोधन में कहा युवाओं को राष्ट्र के निर्माण देश के प्रति मोहब्बत ताकत जज्बा एवं हौसला का होना आवश्यक है डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने जीवन में दिल एवंम दिमाग दोनों का इस्तेमाल करके संघर्षी जीवन जीने के बाद भी वह देश में मिसाइल मैन के रूप में जाने गए उनकी सहनशीलता एवं उदारता ही सफलता का सही मार्ग दिखाती है आज भारत रक्षा के क्षेत्र के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में भी मजबूत हुआ है।

कार्यक्रम अंत में आए हुए अतिथियों का प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर कार्यक्रम में राधेश्याम सिंह,गौरव सिंह,जेएमएस चेयरमैन जितेंद्र यादव,डॉ सुभाष सिंह,डॉ राकेश सिंह, डॉ कमरूद्दीन शेख,डॉ जीवन यादव,समाजसेवी सलमान शेख,डॉ नीलेश सिंह, समाजसेवी करन सिंह,डॉ अब्दुल हलीम हाशमी,डॉ राकेश कुमार बिंद,डॉ शाहिदा परवीन,डॉ प्रेमलता गिरी,डॉ डॉ ममता सिंह,डॉ कंचन लता डॉ हिमांशी तिवारी डॉ प्रवीण यादव,सुमित सिंह महाविद्यालय परिवार एवंम छात्र–छात्राएं मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने किया।

अजीत सिंह बब्बन को भाजपा ने हरदोई का जिलाध्यक्ष बनाया

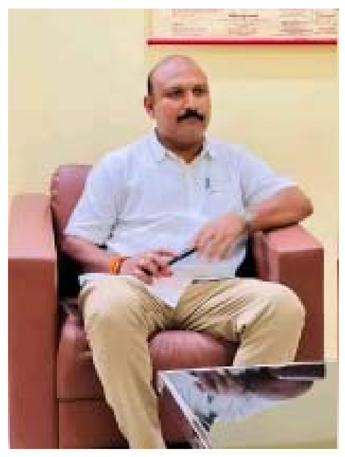

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। है इसी क्रम में जिला अध्यक्षों की अदला बदली शुरू हो गई है। जिले में अजीत सिंह बब्बन को भाजपा ने अध्यक्ष बनाया है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सूची जारी होने पर बब्बन समर्थकों में खुशी की लहर है।

भाजपा के नए जिला अध्यक्ष को लेकर लोग काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। भाजपा के तमाम नेताओं ने अध्यक्ष बनने के लिए पार्टी मुख्यालय से लेकर सांसद व विधायकों तक के चक्कर काटे कुछ ने संघ का सहारा लिया तो कुछ ने भाजपा के बड़े नेताओं का। लोगों को जिला अध्यक्ष की सूची जारी होने का काफी बेसब्री से इंतजार था। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भाजपा के नए जिला अध्यक्षों की सूची जारी की उसमें भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रहे भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन को नया अध्यक्ष बनाया गया है । अध्यक्ष बनने के बाद बब्बन को बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है ।

यहां उल्लेखनीय है कि अजीत सिंह बब्बन काफी समय से भाजपा से जुड़े हुए हैं। संघर्ष के दिनों में जब चंद लोग ही भाजपा का झंडा लेकर चलते थे बब्बन भी उसमें शामिल थे। पार्टी ने उनकी वफादारी व पार्टी के समर्पण देखकर उन्हें हरदोई का नया जिला अध्यक्ष बनाया है। अब बब्बन के नेतृत्व में अगला लोकसभा चुनाव जिले में लड़ा जाएगा।

रिश्वतखोरी में फार्मासिस्ट अटैच, अधीक्षक हटाए गए

सुल्तानपुर– मोतिगरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रैबीज के इंजेक्शजन का पैसा लेते हुए एक फार्मासिस्ट का वीडियो वायरल हो गया। इस पर सीएमओ ने फार्मासिस्ट को अपने कार्यालय से अटैच करते हुए जांच शुरू करा दी जबकि सीएचसी अधीक्षक को वहां से हटाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भेज दिया गया है।मोतिगरपुर में रैबीज के इंजेक्शन का 50–50 रुपये लिए जाने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एक युवक से 500 रुपये लेते हुए फार्मासिस्ट का वीडियो वायरल हो गया। पैसा देने वाले ने आरोप लगाया है कि हर बार इंजेक्शन के पचास रुपये यहां लिए जाते हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर सीएमओ डॉ. ओम प्रकाश चौधरी ने तीन सदस्यीय कमेटी बनाकर जांच शुरू करा दी है।सीएमओ ने बताया कि जांच कमेटी में एसीएमओ डॉ. राधा वल्लभ,डिप्टी सीएमओ डॉ. लालजी और एओ योगेंद्र सिंह शामिल हैं। वीडियो में दिख रहे फार्मासिस्ट कमलेश्वर प्रसाद पांडेय को कार्यालय से अटैच कर दिया गया है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. शैलेश को हटाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमऊ जासरपुर में तैनात कर दिया गया है। उनके स्थान पर वहां तैनात डॉ. गिरीशचंद्र को अधीक्षक बनाया गया है।

राज्य एवं केन्द्र सरकार सहकारी समितियों को मजबूत बनाकर किसानों के हित में काम कर रहीं हैं : नितिन अग्रवाल

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शुक्रवार को ब्लाक सभागार शाहाबाद में बी पैक्स सदस्यता के महाअभियान की बैठक में आबकारी एवं मद्य निषेध मंत्री नितिन अग्रवाल ने ने बी पैक्स सदस्यता महाअभियान 2023 का शुभारंभ करते हुए कहा कि सरकार किसानों के लिए काम कर रही है। यह अभियान 30 सितंबर तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा।

बताया कि प्रदेश में साधन सहकारी समितियां को कंप्यूटरीकृत किया जा रहा है। इसका नाम भी बदलकर अब बी पैक्स कर दिया गया है। यह समितियां सिर्फ खाद और बीज तक ही सीमित नहीं रहेंगी। प्रदेश सरकार इसे बहुउद्देशीय बना रही है। प्रदेश भर की सभी विकास खंड की समितियों को सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है सदस्य बनने के लिए 221 रुपए देने होंगे। सदस्य बनने के बाद लोगों को उर्वरक, उन्नतशील बीज, कृषि मशीनरी, कीटनाशक, सदस्यों को तीन प्रतिशत ब्याज की दर पर फसली ऋण सहित अन्य कई लाभ दिए जाएंगे। उन्होंने आग्रह किया कि आने वाले समय में समितियों के माध्यम से केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार के सहयोग से विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित होने वाली है जिसमें जनता के लिए जन औषधि केन्द्र, सहज जन सेवा केन्द्र, ग्राम पंचायत स्तर अनाज भण्डारण हेतु गोदाम की स्थापना, समितियों के माध्यम से पेट्रोल पंम्प की स्थापना ऐसी विभिन्न तरह की योजनाएं समितियों के माध्यम से संचालित होने वाली है। अतः आप सभी से आग्रह है कि सदस्यता अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और सदस्यता लक्ष्य को पूरा करें।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय सहकारिता मे बैठे उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह से अपने व्यक्तिगत फायदे के लिए समितियों पर कब्जा किया और उसे धीरे धीरे जर्जर स्थिति मे पहुंचाने का काम किया।

जबकि समितियों का कार्य आम जनमानस को लाभ पहुंचाना रहता है, सहकारी समितियों का जो भी लाभ होता था पूर्ववर्ती सरकारों के बैठे हुए पदाधिकारी लूट घसोट करते थे जिससे समितियां धीरे धीरे घाटे मे जाने लगी आम जनमानस का विश्वास समितियों से टूटने लगा और समितियां बंद होने लगी जबकि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे भाजपा कि सरकार बनी तब पहली बार केन्द्र मे अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया। जिसके केंद्रीय मंत्री अमित शाह जी हैं। गठन होने के बाद केन्द्र के सहयोग और प्रदेश सरकार के सहयोग से आज पूरे उत्तर प्रदेश में सभी सहकारी समितियों का जीर्णोद्धार हुआ और आज सभी समितियां संचालित है और आम जनमानस को उसका लाभ मिल रहा है। जिससे की लोगो का विश्वास भी समितियों पर बढ़ा है। 30 सितंबर तक समितियों के माध्यम से महासदस्यता अभियान चलाया जायेगा। जिसमें हर समिति पर 200 से 500 तक नये सदस्य बनाना है। ताकि आने वाले समय में समितियों को और मजबूत करते हुए समितियों के माध्यम से जनता को लाभ पहुंचाया जा सके।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पूनम भास्कर, सीओ हेमन्त उपाध्याय, भाजपा जिला महामंत्री सत्येन्द्र कुमार सिंह राजपूत,डी सी डी एफ के चेयरमैन रामदास गुप्ता,कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष अशोक सिंह, संजय सक्सेना सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी मौजूद रहे।

कीड़े के काटने वाले बुखार से रहे सावधान! लीवर, किडनी व दिमाग में संक्रमण का खतरा

(डॉ मुकेश शुक्ल शिशु व बालरोग विशेषज्ञ तीर्थ राज हॉस्पिटल जौनपुर)

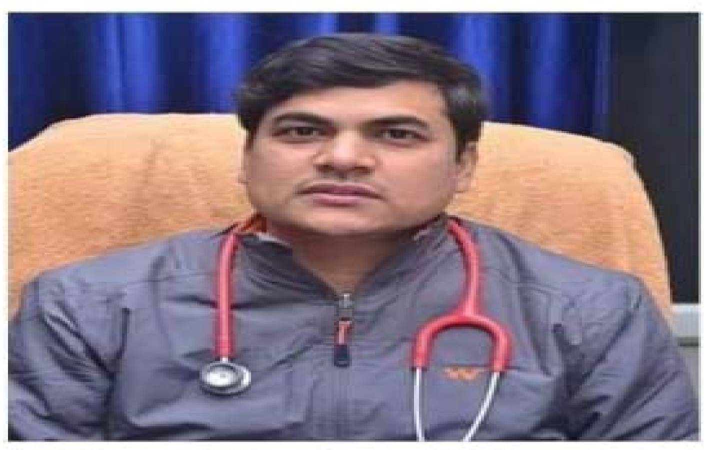

स्क्रब टाइफस माइट यानि कीड़े के काटने से होने वाला बुखार है, जिसने आजकल लोगों को तेजी से अपना शिकार बनाया हुआ है। यह बुखार खतरनाक जीवाणु ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक बैक्ट्रीरिया की वजह से फैलता है। इससे लीवर, दिमाग और फेफड़ों में कई तरह का संक्रमण होने का खतरा रहता है। इस बीमारी में भी डेंगू की तरह प्लेटलेट्स की संख्या घटने लगती है। यह खुद तो संक्रामक नहीं है लेकिन इसकी वजह से शरीर के कई अंगों में संक्रमण फैलने लगता है। इस बीमारी के लक्षण और उपचाररू

स्क्रब टाइफस के लक्षणरू

– कीड़े के काटने के दो हफ्ते के अंदर मरीज को तेज बुखार (102–103 डिग्री फारेनहाइट), होता है।

–सिरदर्द, खांसी, मांसपेशियों में दर्द व शरीर में कमजोरी आने लगती है।

–आमतौर पर इस बीमारी से पीड़ित 40–50 फीसदी लोगों में कीड़े के काटने का निशान दिखता है। यब निशान गोल और ब्लैक मार्क होता है। आधे से अधिक लोगों में इसके निशान दिखते भी नहीं है।

– इस बीमारी का इलाज संभव है लेकिन अगर देरी से इसका इलाज किया जाए तो इसका असर बॉडी के कई अंगों पर हो सकता है।

– इस बीमारी का पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट किया जाता है, अगर इस बीमारी का समय पर इलाज नहीं किया जाए तो लंग्स, किडनी और लीवर पर भी इसका असर हो सकता है।

– इसका समय रहते इलाज नहीं हो तो रोग गंभीर होकर निमोनिया का रूप ले सकता है। कुछ मरीजों में लिवर व किडनी ठीक से काम नहीं कर पाती जिससे मरीज बेहोशी की हालत में चला जाता है। रोग गंभीर होने पर मरीज में प्लेटलेट्स की संख्या भी कम होने लगती है।

क्ध्या होता है स्ध्क्रब टाइफस

स्क्रब टाइफस, एक वेक्टर बॉर्न डिजीज है। यह बरसात के मौसम में घास वाली जगहों पर पनपने वाले पिस्सू यानी चिग्घ्स के काटने से फैलती है। ब्क्ष् के मुताबिक स्ध्क्रब टाइफस को शर्ब टाइफस भी कहते हैं। यह ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी (Orientia Tsutsugamushi) नाम के बैक्टीरिया से होता है। ये बैक्टीरिया लोगों में तब फैलता है जब उनको इससे संक्रमित चिगर्स काट ले। व्यक्ति संक्रमित हो जाए, तो हॉस्पिटल में भर्ती होने की नौबत तक आ सकती है। ऐसे में रोग फैलाने वाले चिगर्स के प्रजनन स्ध्थलों को रोकना बहुत जरूरी है।

स्ध्क्रब टाइफस से बचने के उपायरू–

– घरों के आसपास साफ सफाई रखें।

– बरसात के दिनों में घास, पेड़ पौधे और झाड़ियां उगाने से बचाएं।

– घर से बाहर जाते वक्ध्त हाथ–पैरों को ढक कर रखें।

– ऐसे इलाकों में जाने से बचें, जहां चिगर्स पाए जाते हैं।

–च्मतउमजीतपद नामक कीटनाशक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे लार्वा बाइट्स मर जाते हैं।

–अगर आपको ऐसा लग रहा है कि चिगर्स ने आपको काट लिया है, तो सबसे पहले त्ध्वचा को साबुन और पानी से साफ करें।

–गर्म पानी से अपने कपड़े और कंबल या तौलिये को धोएं।

–कपडो, बिस्तर व ओढ़ना को घास व झाड़ियो पर सुखाने के लिए न डालें।

खनन से गहरे हुए तालाब में डूबकर दो चचेरे भाइयों की मौत

संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज में खनन से गहरे हुए तालाब में डूबकर दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। सुबह तालाब किनारे चप्पल पड़ी मिलने पर ग्रामीण तालाब में उतरे और चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनो शवों को बाहर निकाला। वहीं पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मोहनलालगंज के गौरा स्थित भाटनखेड़ा निवासी 34 वर्षीय अरवेश अपने चचेरे भाई सनुज पाल 14 वर्ष के साथ बुधवार को दोपहर घर से पशुओं को चराने निकले थे लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने आसपास खोजबीन की लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका।

राममंत्र से गुंजायमान होगी रामनगरी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

अयोध्या रामलला की प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। प्राणप्रतिष्ठा का अनुष्ठान सिर्फ रामजन्मभूमि परिसर में ही नहीं होगा बल्कि पूरी रामनगरी राममंत्र से गुंजायमान होगी। प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान कई बड़े धार्मिक आयोजनों की तैयारी हो रही है। इसी बीच में जगद्गुरू रामभद्राचार्य का जन्मदिवस भी अमृत महोत्सव के रूप में मनाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि इस आयोजन में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

जानकारी के अनुसार रामभद्राचार्य के शिष्यों की ओर से 14 से 22 जनवरी तक अयोध्या में अमृत महोत्सव का आयोजन किया जाना है। नौ दिनों तक आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव समारोह में पीएम मोदी समेत अलग–अलग दिनों में महोत्सव में शामिल होने वाले खास मेहमानों को औपचारिक तौर पर आमंत्रण भी भेजा जा चुका है। रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास के मुताबिक नौ दिनों के इस अमृत महोत्सव में दुनियाभर के लाखों श्रद्धालु अयोध्या आएंगे।वहीं रामनगरी के मठ–मंदिरों द्वारा भी कई अनुष्ठानों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। हरिधामगोपाल पीठ में जगद्गुरू श्रीरामदिनेशाचार्य भी इसी बीच रामकथा का प्रवचन करेंगे। विद्याकुंड स्थित वीरभगवान मंदिर में नौ दिवसीय नवाह पारायण व सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। स्वर्गद्वार स्थित वैदेही वल्लभकुंज में तीन दिवसीय रामाचार्य पूजन का आयोजन सुनिश्चित है।

नाका हनुमानगढ़ी में तीन दिवसीय आयोजन में सामूहिक सुंदरकांड पाठ, मानस का नवाह पारायण आदि अनुष्ठान किए जाएंगे। सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में भी हनुमानगढ़ी अखाड़ा की ओर से धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। कुल मिलाकर पूरी रामनगरी अनुष्ठानमय होगी।

पर्यटन मंत्री आज से फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा दौरे पर

संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह कल 15 सितम्बर से फिरोजाबाद, मैनपुरी तथा एटा के भ्रमण पर रहेंगे। पर्यटन मंत्री कल अपराह्न 03 बजे से प्रस्थान कर फिरोजाबाद पहुंचेगे। अगले दिन 16 सितम्बर को पूर्वाह्न 09 बजे से 12:45 बजे तक करहल रोड मैनपुरी में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। अपराह्न 01 बजे रामलीला मैदान से सम्बद्ध सीसी रोड नाला आदि निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। अपराह्न 02 बजे बौद्ध बिहार के पहुंच मार्ग नाला आदि निर्माण कार्यों का शिलान्यास फतेहगंज अण्डरपास कौआटोला कुरावली मैनपुरी में करेंगे।

फ्रॉड धोखाधड़ी के मामले में सास समेत ग्राम प्रधान व चार अन्य पर केस दर्ज

न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा - मो अरशद

अयोध्या।थाना हैदरगंज क्षेत्र में एक विवाहित महिला की मृत्यु के बाद मायके वालों को धन संपत्ति हड़पना महंगा पड़ गया।

न्यायालय के आदेश पर ग्राम प्रधान सहित उसके चार अन्य मददगार के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। इस बात की पुष्टि हैदरगंज थाना के थानाध्यक्ष मोहम्मद अरशद ने किया। बताते चलें कि यह मामला हैदरगंज थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मनऊपुर का है।पीड़ित कर्मवीर सिंह पुत्र स्वर्गीय अखंड प्रताप ने शिकायती पत्र में कहा है कि पत्नी शीला गर्भवती थी।जिसका इलाज चंद्रा हॉस्पिटल लखनऊ में चल रहा था।

6 अप्रैल को इलाज के दौरान उसके पत्नी की मौत हो गई।उसके बाद हिंदू रीति रिवाज के साथ दाह संस्कार और कर्मकांड किया। पीड़ित के पत्नी के बैंक ऑफ बड़ौदा हैदरगंज के खाते में 56000 रुपए थे।आरोप के मुताबिक हैदरगंज ग्राम प्रधान राकेश गुप्ता पुत्र छोटेलाल, सास शिवकुमारी, गणेश कसौधन, संजय, सिद्धार्थ, रामतीरथ यादव ने मिलकर सेक्रेटरी माता प्रसाद के माध्यम से तारुन ब्लॉक से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर सास के खाते में पैसा ट्रांसफर करवा दिया। जबकि प्रार्थी के पास एक बेटा है।पत्नी के नाम जमीन भी है उसको भी फ्रॉड और कूटरचित दस्तावेज तैयार करके हड़पने के फिराक में हैं।

वहीं 26 अप्रैल को गलत तरीके से जारी हुआ कथित मृत्यु प्रमाण पत्र ब्लॉक प्रशासन ने निरस्त कर दिया है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अरशद ने बताया सीजीएम तृतीय के आदेश पर छः आरोपियों पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

आरटीओ चेकिंग के दौरान बिहार जा रही बस में दो यात्रियों की मौत

बस यात्री की बीमारी से हुई मौत - एआरटीओ प्रवर्तन

अयोध्या।अयोध्या के थाना रौनाही के टोल प्लाजा के पास बिहार जा रही दो बस में दो लोगों के मौत हो गई है। बताया जा रहा है यह घटना आरटीओ चेकिंग के दौरान हुई है।स्थानीय लोगों ने बताया कि दिल्ली से बिहार जा रही बसों की रुदौली थाना क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा के पास आरटीओ चेकिंग कर रहे थे।बिहार की यात्रियों का आरोप है कि इस दौरान करीब 3 घंटे तक बस टोल प्लाजा पर खड़ी रही।जानकारी के मुताबिक इस दौरान दो अलग–अलग बसों में दो यात्रियों की मौत हो गई घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया।चेकिंग के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर से दोनों की मौत हुई है।बस यात्री नीतीश कुमार दिल्ली एम्स गए थे। उनकी तबीयत खराब थी।वापस घर ले जा रहा था। आरटीओ द्वारा करीब 3 घंटे रोके जाने के कारण गाड़ी में उमस बढ़ने से उनकी मौत हो गई है।बस में सवार यात्री की तबीयत बिगड़ने पर इसकी सूचना बस ड्राइवर को दिया गया ड्राइवर ने आरटीओ को दिया। परंतु इसके बावजूद मरीज के इलाज का कोई व्यवस्था नहीं की गई।यात्री की मौत के बाद में बस के अन्य यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया।इस दौरान पता चला कि एक अन्य बस में भी एक मरीज मर गया है। यात्रियों का आरोप था कि मरीज के मरने के बाद आरटीओ ने उस बस को तत्काल रवाना कर दिया।हंगामा बढ़ता देख रौनाही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। इस दौरान पुलिस और आरटीओ के बीच नोक झोंक भी हुई।हालांकि आरटीओ ने सभी बसों को रवाना किया। आरटीओ प्रवर्तन प्रवीण सिंह ने बताया कि रूटीन चेकिंग के दौरान बसों की परमिट व अन्य कागजात की चेकिंग की जा रही थी।इस एक मरीज के मरने की सूचना है। जो पहले से बीमार था।बस ड्राइवर से जब यह पूछा गया कि मरीज को बस क्यों बताएं तो उन्होंने बताया कि मरीज के परिजनों ने लिखित तौर पर दिया था कि यदि कोई घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी हमारी होगी।फिलहाल यह जांच का विषय है।

मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी ने किया रामपथ, जन्मभूमि पथ व भक्ति पथ का निरीक्षण

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।मण्डलायुक्त गौरव दयाल व जिलाधिकारी नितीश कुमार के साथ निर्माणाधीन जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ व राम पथ का निरीक्षण किया।अधिकारियों ने जन्मभूमि पथ की कार्यदायी संस्था यूपीआरएनएन द्वारा बनायी जा रही कैनेपी का निरीक्षण किया। कैनेपी का कार्य तीव्र गति से पूर्ण गुणवत्ता करने का निर्देश दिया। कैनेपी निर्माण में जो पथ के पत्थरों को डिस्मेंटल किया गया है उन लिए नये पत्थरों की व्यवस्था उसी पैटर्न के अनुसार लगाने की पूर्व से ही कर ली जाय। अगले चरण में निर्माणाधीन भक्ति पथ का निरीक्षण किया गया तथा कार्यदायी संस्था को तीव्र गति से कार्य करने के निर्देश दिये। इसके अलावा आसपास के अन्य क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए चयनित स्थलों व अन्य निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था के सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अयोध्या कैंट स्टेशन को भव्य बनाने की तैयारी, 600 करोड़ रुपए से पूरी तरह नई बनेगी बिल्डिंग

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो)। सुरेंद्र कुमार।अयोध्या स्टेशन के विकास के बाद अब अयोध्या कैंट स्टेशन (फैजाबाद) को 600 करोड़ रुपए से संवारा जाएगा। एक साल पहले इसके विकास के गए डीपीआर को रेल मंत्रालय से बहुत जल्द मंजूरी मिलने जा रही है। इसके बाद इसे पूरी तरह से भव्य बनाया जाएगा और इसे राम मंदिर के मॉडल के तर्ज पर डेवलप किया जाएगा। यह पहले की अपेक्षा करीब दो गुना बड़ा होगा। जल्द ही डीआरएम लखनऊ और मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक आदि की टीम आने वाली है।

सांसद लल्लू सिंह ने बताया, अयोध्या कैंट के विकास प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की बात कभी भी सामने आ सकती है। इसकी औपचारिकताएं पूरी की जा चुकी हैं। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के आसपास रेल विभाग की बहुत जमीन है। नए विकास के लिए रेलवे को जमीन खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस रेलवे स्टेशन को बेहद भव्य और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए बड़ा बनाया जाना है। सांसद ने बताया, स्टेशन के मुख्य भवन की जगह बदलेगी और उसे ऐसी जगह बनाया जाएगा जहां मुख्य भवन के आसपास बड़ी जगह है। अयोध्या रेलवे स्टेशन और अयोध्या कैंट के रेल लाइन दोहरीकरण का काम आगामी दिसंबर तक पूरा करने की कोशिश है। हम सब की कोशिश है कि अयोध्या और अयोध्या कैंट के लिए ट्रेन की संख्या बढ़ाई जाए। इसको लेकर काम चल रहा है। नए भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पहले अयोध्या बहुत कुछ बदली नजर आएगी।

अयोध्या में फिल्मी सितारों की रामलीला का बदला स्थान, लक्ष्मण किला नहीं राम कथा पार्क में होगा मंचन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार इस वर्ष अयोध्या की रामलीला व मां फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सितारों के अभिनय से सजी रामलीला का मंचन लक्ष्मण किला के बजाय रामकथा पार्क में होगा। यह जानकारी बुधवार को अयोध्या की रामलीला संस्था के संस्थापक अध्यक्ष बॉबी मलिक ने दी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बारिश की समस्या को देखते हुए लिया गया। पिछले मैदान में पानी भरने और पूरा मंच भीड़ जाने से बड़ी असुविधा हो गई थी। फिलहाल दिल्ली से अयोध्या पहुंचे मलिक व उनके साथियों ने जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य महाराज का आर्शीवाद लिया और रामकथा पार्क के मंचन स्थल का उन्हीं के साथ अवलोकन किया। इस मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य ने आयोजकों को नसीहत दी कि वैश्विक मंच पर भगवान राम के रामत्व को प्रतिष्ठित करने एवं उनके आदर्शों का संदेश जब अवध । पवित्र जन्मभूमि से दिया जा रहा है, तो हम सबकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि रामलीला की मर्यादा व गरिमा को किसी तरह की ठेस न पहुंचे। फिलहाल उन्होंने अपनी शुभकामना व्यक्त की। बताया गया कि चार सालों से शुरू हुई फिल्मी कलाकारों की रामलीला को इस बार दूरदर्शन के अलावा अन्य चौनलों व सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी देखा जा सकेगा। इसके लिए लिंक उपलब्ध रहेगा। फिलहाल 14 से 24 अक्टूबर तक चलने वाली रामलीला में अलग–अलग पात्रों की भूमिका निभाने वाले कलाकारों की भूमिकाएं बदल गयी है। रावण की भूमिका जहां टीवी कलाकार गिरिजा शंकर निभाएंगे। वहीं हनुमान जी की भूमिका जय हनुमान सीरियल के कलाकार वरुण सागर वहन करेंगे। इसी तरह माता शबरी –अभिनेत्री पूनम ढिल्लो, राजा जनक– गजिंदर चौहान, अहिरावण– रजा मुराद, विभीषण – राकेश बेदी, इंद्रदेव – अनिल धवन, केवट– सांसद रवि किशन, नारद मुनि–कॉमेडियन सुनील पाल, भगवान राम –राहुल भूचर, मां सीता – लिली सिंह, कैकेई– जिया, कौशल्या– मंघिशा, मंदोदरी – अमिता नागिया को सौंपी गयी है।

नंदिनी 2.0 का हुआ सुघड़ में अलौकिक समापन

सुनाई गई अनुभूति और प्रस्फुटित हुए संकल्प

करेगी हर नंदिनी अपने अपने क्षेत्र में स्त्री शक्ति को जगाने का प्रयास

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

अहमदाबाद। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भैया ने बताया कि आयोजित होने वाला है अगला नंदिनी शिविर दिल्ली की गांधी भूमि हरिजन सेवक संघ गांधी आश्रम किंग्सवे कैंप में मां कस्तूरबा कुटीर के सानिध्य में सद्भावना सम्मेलन 24 सितंबर से 26 सितंबर के साथ' ' संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दादा डा शंकर कुमार सान्याल ने दी आयोजन को हरी झंडी तय होने लगे सम्मेलन हेतु वीआईपी अतिथि गण'अद्भुत होगा नजारा' 'याद आयेंगे दीदी निर्मला देशपांडे वाले राष्ट्रपति प्रधानमंत्री और अनेकों राज्यपाल वाले युक्त सम्मेलन' दिनांक 11 से 13 सितंबर 2023 को मैं सुघड़ अहमदाबाद में आयोजित नंदिनी 2.0 का कल भाव प्रसाद ग्रहण करने के बाद मैत्री हॉल में दीक्षांत समारोह हुआ। सभी ने अपनी अनुभूति और संकल्प बताते हुए प्रयास पर जैसा प्रमाणपत्र हंसते हंसते विद्यापीठ लोकमित्र के कुलाधिपति जयेश भाई सिद्धार्थ भाई के शुभ हस्तों से प्राप्त किया।खुशी में भाव विभोर होकर गरबा, डा रीता और निराली बहन, डा ज्योति और जयश्री ने भरतनाट्यम नृत्य किया। फिर सब देश भर के लिए संकल्प लेकर बिखरना शुरू हुए सबसे पहले डा भारती डा रंजना डा रूपेश को विनया की मदद से पहली उड़ान भरने का अवसर मिला। हरियाणा की सविता सोनी आदरणीय राजेंद्र भाई का दादरी सिरोही निहालगढ़ जाना हुआ। पूना वाली ट्रेन पर कर्जत के लिए निकली हमारी विमल पाटिल और सुमाष भाई, इसी समय पर पवनार गांव की शुभांगी हिउरे और राधा बहन भी स्टेशन गए। रांची झारखंड की गीता बहन ने भी सुंदर प्रतिमाग कर वापस गई। सूरत गुजरात की रचना जामनगर की रेखा बहन जलदीप कवि,ज्योति , हनी बहन सब अपने अपने घर गए।, हरदोई की वंदना बहन और रीता दीदी की ट्रेन तो रात में थी लेकिन वह अपने एक परिचित रिलेशन में गईं। कल हमारी अदभुत बहन निराली भी आई जो विरल भाई जो नंदिनी पर फिल्म बनाने का कार्य कर रहे उनकी मित्र हम सबकी भी मित्र बन गई क्योंकि मैत्री चुम्बक बहुत पॉवरफुल होती हुई।साढ़े तीन बजे नंदिनी शिविर पर बनी लघु फिल्म दिखाकर सरप्राइज दिया गया। वैसे तो वसुधा मां के दर्शन यहीं आने पर सभी को हो गए थे।फिर भी शिविर के बचे मेरे सहित कुल ग्यारह लोग सबसे ऊंची प्रेम सगाई देखने सिद्धार्थ, डा रीता, डा निशा , प्राची, रवि जी श्रुति,कविता ,देवयानी ,संजय भाई ,अमित परमार ग्राम श्री और क्राफ्ट रूट संस्था परिवार से मिलने और दुनिया को आश्चर्य चकित करने वाली क्राफ्ट हुनर को देखने 5 बजे लीलापुर गए। वहां इस कार्य को समर्पित विजय ,देवेश ,शालिनी की पूरी टीम ने वीविंग इंब्रायडरी ब्लॉक पेंटिंग आदि उच्चस्तरीय काम देखा। ठीक सात बजे पीस वॉक करते हुए जयेश भाई के थलचर नभचर अंधेरे में निकलने वाले सभी मित्रों से मिलाने बाह्य परिक्रमा कराई । जहां कल ही अपने परिवार में जुड़े दस बतख के बच्चों से उनके घर जलाशय में मिलते हुए संस्कृति से मिलने पहुंचे जहां पुनः मां के हाथों से तिलक और बहन मीना और अशोक भाई ने स्वागत किया।अनार बहन ने दुनिया के अधिकतर देशों की संस्कृति और हिंदुस्तान की पुरानी कला के सम्मिश्रण से बना घर का अंदर से दर्शन कराया।जिसमें लीलापुर के बच्चों के खेलने के स्थान से लेकर देश के बड़े से बड़े वी आई पी को बैठने की सुंदर व्यवस्था है।वास्तुकला के अद्भुत दर्शन हुए।समाज में निष्प्रयोज्य पड़े लकड़ी के तमाम खिड़की दरवाजे पोल खंभे आदि का फर्श से अर्श पर अनार दीदी ने पहुंचने की यात्रा दिखाई। उनके यहां जयेश भाई की मां के लिए सुंदर पूजा स्थान , पार्क में सभी के साथ बैठने का ,अनार बेन के कृष्णा का सुंदर घर , जयेश भाई का ध्यान स्थान , जैविक सब्जी उत्पादन का प्यार भरा स्थान , 87 वर्ष की वसुधा बा और 83 वर्ष की आनंदी बा के ऊपर की मंजिल पर जाने हेतु विज्ञान युक्त लिफ्ट भी दिखी।कल ही उनके घर की मेहमान गुजरात उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश आदरणीय सुनीता अग्रवाल जो लखनऊ में इससे पूर्व थी तो उत्तरप्रदेश की माननीय राज्यपाल महोदय से मिलने संस्कृति पधारे थे। महाराष्ट्र उत्तर प्रदेश दिल्ली उत्तराखंड हिमाचल से हमारे साथ मेहमानों को चाय के स्थान पर सभी स्वास्थ्य वर्धक पेय पिलाए।अनार बेन अपने हाथों से बने हुए अनेक प्रकार के सुस्वाद व्यंजन नंदिनी परिवार को खिलाए।ठीक 9 बजे जयेश भाई और शैलेश भाई गाड़ी से हम सभी को लीलापुर से सुघड़ पहुंचाए। वहां विनय से सबेरे सब कैसे कैसे जा रहे सब साझा किया और उनकी सेवा पांच बजे मांगी कि सुबह संजय श्रुति निशा दीदी और रीता बहन का फ्लाइट पर सभी ने विदा किया।प्राची कविता देवयानी रवि सभी पड़ोस के कबीर आश्रम गए वहां अपने हांथ से खाना बनाकर खाया उनकी ट्रेन आज रात की है। होड थी कि अंत में नंदिनी परिवार का कौन विदा होगा।मुझे स्टेशन भेजने के लिए सबेरे छः बजे अहमदाबाद से चलकर अदिति (जो विमला बहन की छोटी बहन अल्पना की बेटी यहां बैंक आफ अमेरिका में काम करती है) आ गई।अमित हमें ट्रेन में बिठाकर अंकलेश्वर जाने का प्लान कर लिए।अब तो संस्कृत वेद उपनिषद के प्रज्ञाता सिद्धार्थ धर्मेंद्र प्रकाश जी बजे थे जो 11 बजे पवित्रा भवन से प्रिया ने विदा किया । कल रात ही सत्याग्रह जयजगत भवन में टीच फार इंडिया के तीस बच्चे आ गए इनसे थोड़ी सी बात सबेरे प्रभात फेरी के समय हुई।इनकी स्कूलिंग ऐसे ही यात्राओं से कनिष्क जैसे साथी कराते हैं।कुछ बच्चो से पूछने पर बाते करते हुए बताए कि हम एक्टर, प्रोड्यूसर ,संगीतकार आदि बनने की तैयारी में जुटे हैं। तब तक किशन लड्डा भाई आ गए और शिविर की चर्चा शुरू किए। इस प्रकार पहले दिन जो खिले दूसरे दिन खुले और आज तीसरे दिन खेले और विदा हुए। अनेक नंदिनी बहनों का मंतव्य था कि यहां आकर नंदिनी को गति देने हेतु ऊर्जा मिलती है।

संजीव सिंह भाजपा को जिलाध्यक्ष व कमलेश श्रीवास्तव को महानगर अध्यक्ष की मिली कमान

विवाद में होने के चलते हटाये गये महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र

अयोध्या। सांसद लल्लू सिंह के करीबी संजीव सिंह को भाजपा जिलाध्यक्ष की कमान दुबारा मिला है।वहीं विवाद के साथ साथ गुटबाजी से दूर हर वर्ग में अपनी घुसपैठ रखने वाले समाज सेवी कमलेश श्रीवास्तव को महानगर अध्यक्ष का दायित्व एक बार फिर मिला है।बताते चलें कि इससे पहले भी वे सबसे पहले इस पद पर रह चुके हैं।महानगर अध्यक्ष पद से हटाए गए अभिषेक अपने तीखे और बड़ बोले संवादों की वजह से विवादों में बने रहे।माना जा रहा है कि सांसद लल्लू सिंह और अधिकारियों की नाराजगी की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी है।बताते चलें कि बीकापुर क्षेत्र से युवा चेहरे संजीव सिंह संयमित भाषा शैली और सांसद लल्लू सिंह का विश्वास पात्र हमेशा बने रहे। उनसे पहले एक बार जिलाध्यक्ष रहे अवधेश पाण्डेय ब्यादल भी रहे।वे भी इस पद पर तब तक रह पाए जब तक उन्हें लल्लू सिंह की कृपा बरकरार रही।

अगर देखा जाए तो भाजपा के महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र से पूर्व डीएम अनुज झा की नोक झोंक सहित जिले के कई अधिकारियों की समय–समय उनसे नाराजगी के विवाद उनके राजनीतिक विरोधी ऊपर तक पहुंचाते रहे।वहीं युवाओं सहित जिले के राज नेताओं में खासकर लल्लू सिंह के विरोधी माने जाने वाले खेमें में उनकी गहरी पैठ अभिषेक की पहचान रही।जिला पंचायत के चुनाव में अध्यक्ष पद पर रोली सिंह की जीत में उनकी मेहनत को नंजर अंदाज नहीं किया जा सकता।महापौर के चुनाव में उनकी सक्रियता के बावजूद महंत गिरीश पति त्रिपाठी और निवर्तमान महापौर ऋषिकेश उपाध्याय से भी उनकी नाराजगी सार्वजनिक रही।बताते चले कि महापौर पद के लगातार दो चुनावों में अभिषेक अपने टिकट की दावेदारी करते रहे।उनके इस अंदाज को उनका विरोध माना जाता रहा।

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के तत्वाधान में तीन हजार यूनिट रक्तदान

अधिषासी अभियंता आदित्य कुमार ने भी किया रक्तदान

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ । उ.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के बैनर तले आज हृदय सम्राट इं.आर.के. दत्त जी के निर्वाण दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन महासंघ के संस्थापक सदस्य इं. हेमेंद्र प्रताप ने किया। डा. राम मनोहर लोहिया, ट्रांजिट हॉस्टल, सिचाई विभाग रायबरेली रोड़ आयोजित शिविर की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष इं. राजर्षि त्रिपाठी ने करते हुए बताया कि राजधानी में डिप्लोमा इंजीनियर्स 300 यूनिट रक्तदान किया गया। लखनऊ रक्तदान शिविर में सबसे खास बॉत यह रही कि अधिषासी अभियंता इं. आदित्य कुमार ने रक्तदान कर जूनियर इंजीनियर्स का मनोबल बढ़ाया।

लखनऊ मण्डल सचिव प्रदीप कुमार शुक्ला ने बताया कि लखनऊ सहित सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, उन्नाव, बाराबंकी के डिप्लामा इंजीनियस लखनऊ में रक्तदान जबकि। जबकि अन्य मण्डल स्तर पर इसी तरह का आयोजन रक्तदान किया गया। राजधानी में रक्तदान शिविर में एसजीपीजीआई, केजीएमसी (मेडिकल कालेज), डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल एवं बलरामपुर अस्पताल की चिकित्सक टीमों ने आकर रक्त संचित किया। इस दौरान डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के महासचिव इं. जी.एन. सिंह, पूर्व अध्यक्ष एस. पी. मिश्रा,इं. गजेन्द्र, राजीव श्रीवास्तव, इं. दिवाकर राय, रविन्द्र श्रीवास्तव, इं. ओ.पी. राय, मीडिया प्रभारी मनोज श्रीवास्तव, आदि ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारे अग्रजो जो प्रथा शुरू की थी उसे यथावत बनाए रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने कहा कि डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ सेवा संगठनों में भारत का पहला संगठन है जो इंजीनियर्स डे तथा हृदय सम्राट इं. आर.के. दत्त जी के निर्वाण दिवस परपर सर्वाधिक रक्तदान करते है। रक्तदान शिविर में स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया गया।

युवक को बंधक बनाकर पीटा, मोबाइल भी छीना

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। सोहावल अयोध्या

आशनाई के चक्कर में आधा दर्जन लोगों ने एक बाइक सवार युवक को रात भर बंधक बनाए रखा। इसके बाद उसके साथ लूटपाट भी की। पीड़ित के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित कर दिया। पुलिस के आते ही आरोपी फरार हो गए। खंडासा थाना क्षेत्र के तुलापुर के निवासी रंजीत पुत्र पप्पू बाइक से मंगलवार की रात रौनाही थाना सत्ती चौरा चौकी क्षेत्र के बड़ागांव से ड्योढ़ी जाने वाली सड़क से अपने घर जा रहे थे। सारंगापुर पहुंचते ही दबंगों ने उसे पकड़ लिया। आरोप है कि आधा दर्जन लोगों ने बाइक रोककर एक हजार रुपये नकद छीन लिए और आशनाई की बात कहते हुए लाठी–डंडों से पिटाई शुरू कर दी। इसके बाद उसे पेड़ से बांध दिया। पीड़ित का मोबाइल भी छीन लिया गया। यही नहीं आरोपियों ने पीड़ित की बाइक का पेट्रोल भी निकाल लिया। सुबह चार बजे चीख पुकार सुन भागीरथ सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को आते देख सभी दबंग भाग निकले। चौकी प्रभारी अरविंद कुमार पटेल ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।